University in News on 14 March 2022

JAGRAN CITY PAGE I & III

वेब कास्टिंग के जरिए नोडल परीक्षा केंद्रों पर रखेंगे नजर

लवि के कुलपति ने नोडल केंद्रों को दिए तैयारी के निर्देश

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) पहली बार चार नए जिलों में स्नातक व परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं कराएगा। इसके लिए नोडल केंद्र तय किए जा चुके हैं। इन केंद्रों की निगरानी कुलपति व परीक्षा नियंत्रक अपने मोबाइल फोन पर वेब कास्टिंग के जरिए कर सकेंगे। इस व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी नोडल केंद्रों को सीसी कैमरे और इंटरनेट की व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने के लिए कहा है।

लवि से हरदोई, लखीमपुर खीरी, सीतापुर व रायबरेली के महाविद्यालय जुड़े हैं। इनमें प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों की परीक्षाएं भी लवि ही कराएगा। इसके लिए चारो जिलों में 21 नोडल केंद्र बनाए गए हैं। शनिवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सभी नोडल केंद्रों के साथ अपने कार्यालय में बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि नोडल केंद्रों पर कापी व प्रश्न पत्र की सुरक्षा के मद्देनजर पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। सीसी कैमरे 24 घंटे चालू रहें। उन्हें इंटरनेट से जोड़ा जाए, ताकि वेब कास्टिंग के जरिए उस पर नजर रखी जा सके।

हर नोडल केंद्र पर एक पर्यवेक्षक : प्रत्येक नोडल केंद्र पर एक पर्यवेक्षक तैनात रहेगा। सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों से ऐसे शिक्षकों के नाम की सूची मांगी गई है, जो परीक्षा कार्य में लगेंगे। इन्हें एक-दूसरे जिले में पर्यवेक्षक के रूप में भी भेजा जाएगा। सभी नोडल केंद्रों का एक वाट्सएप ग्रुप बनाने का निर्देश दिया गया है, ताकि समय से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके।

जल्द जारी होगी केंद्रों की सूची: कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि चारो जिलों में 100 से 125 परीक्षा केंद्र बनाने की तैयारी है। प्रत्येक नोडल केंद्र और परीक्षा केंद्रों के बीच की दूरी अधिक न हो, इसका ध्यान रखा जाएगा। यदि जरूरत पड़ी तो नोडल केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाएगी, जिससे नोडल से परीक्षा केंद्रों तक परीक्षा सामग्री आदि समय से पहुंचाई जा सके। परीक्षा केंद्र तय होने के बाद उनके साथ बैठक भी की जाएगी।

'सीखने के लिए बनाएं छोटे लक्ष्य'

नई शिक्षा नीति पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जु भैया यूनिवर्सिटी प्रयागराज के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह • सौजन्य : लवि

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र में नई शिक्षा नीति पर आधारित सात दिवसीय कार्यक्रम में रविवार को दो सत्र आयोजित किए गए। प्रथम सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जु भैया) यूनिवर्सिटी प्रयागराज के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह और द्वितीय सत्र में पूर्व हाकी खिलाड़ी सुजीत कुमार श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने किसी भी चीज को सीखने के लिए कई सिद्धांत बताए। जैसे- सक्रिय प्रतिक्रिया पाने के लिए छोटे लक्ष्य निर्धारित करना, छात्रों को अपनी गति से सीखने के लिए जगह बनाना, आत्म-मूल्यांकन और सुदृढ़ीकरण। उन्होंने शिक्षकों से प्री-क्लासरूम, क्लासरूम, पोस्ट-क्लासरूम एक्टिविटीज के साथ-साथ सेल्फ-लाइब्रेरी, ओपन-सोर्स साइट्स का उपयोग करके अपने शिक्षण समय बढ़ाने का आग्रह किया। दूसरे सत्र में पूर्व हाकी खिलाड़ी सुजीत कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज की आधुनिक शिक्षा प्रणाली में पढ़ाई के साथ खेलकूद को बढ़ाना भी जरूरी है। नई शिक्षा नीति में यह व्यवस्था की गई है।

बीटेक, बीफार्मा की परीक्षाएं अप्रैल में कराने की तैयारी

लखनऊ विश्वविद्यालय ने स्नातक प्रथम सेमेस्टर परीक्षाओं की तिथियां घोषित कर दी है। अब बीटेक, बीफार्मा के साथ-साथ स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं का शेड्यूल जारी होना है। इसे अप्रैल के प्रथम सप्ताह से कराने की तैयारी है। जल्द ही इन परीक्षाओं की तिथियां भी जारी की जाएंगी। लवि नवीन परिसर में संचालित बीटेक, बीफार्मा, बीसीए, एमसीए प्रथम सेमेस्टर व परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं की तिथियों पर मंथन शुरू हो गया है। इसी बीच एलएलबी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं भी कराई जानी हैं। परीक्षा विभाग तैयारी कर रहा है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

सीसीटीवी की निगरानी में रहेंगे परीक्षा केंद्र

लविवि : चार जिले के नोडल केंद्रों के लिए दिए गए निर्देश, पहले सेमेस्टर के लिए 21 नोडल केंद्र बनाए

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विवि की ओर से इस साल पहली बार लखनऊ समेत चार नए जिलों रायबरेली, सीतापुर, हरदोई व लखीमपुर खीरी में भी स्नातक पहले सेमेस्टर की परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। विवि द्वारा इन जिलों में परीक्षा का आयोजन एक चुनौती भी होगी। जिसे लेकर उसके द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। इस क्रम में नोडल केंद्रों को निर्देश दिए गए हैं उनके यहां सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से होने चाहिए। साथ ही यह 24 घंटे संचालित भी रहने चाहिए।

विश्वविद्यालय की ओर से न सिर्फ इन जिलों में परीक्षा का आयोजन किया जाना है। बल्कि यहां कम से कम एक दिन पहले पेपर भी भेजना है। पेपर की निगरानी के लिए सभी नोडल केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य किए गए हैं। कहा गया है कि वे सीसीटीवी इंटरनेट के साथ 24 घंटे चालू रखेंगे। इसका लिंक विश्वविद्यालय के अधिकारियों के मोबाइल पर भी रहेगा। जिससे वे कभी भी इसे देख सकेंगे। बता दें कि पेपर-कॉपी वितरण व परीक्षा के बाद पुनः एकत्र कर वापस विवि भेजने की जिम्मेदारी 21 नोडल केंद्रों की होगी।

सुचितापूर्ण परीक्षा के आयोजन के लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नोडल केंद्रों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक नोडल केंद्र से परीक्षा केंद्रों की दूरी अधिक न हो। इसलिए अगर जरूरत पड़ी तो नोडल केंद्र बढ़ाएं जाएंगे। जानकारी के अनुसार चारो जिलों में 100 से 125 परीक्षा केंद्र बनाने की तैयारी है। परीक्षा केंद्र फाइनल करके विवि प्रशासन इनके साथ भी बैठक करेगा।

बीटेक-बीफार्मा की परीक्षाएं अप्रैल में

लखनऊ। लखनऊ विवि प्रशासन की स्नातक पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 मार्च से शुरू हो रही हैं, जबकि बीटेक, बीफार्मा व बीसीए की पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं अप्रैल में पहले सप्ताह से शुरू करने की योजना है। परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया जाएगा। वहीं, लुंबा की ओर से चल रहे एमबीए पहले सेमेस्टर की परीक्षाएं 23 से 29 मार्च तक होंगी। आईएमएस में चल रहे एमबीए की परीक्षाएं 24 मार्च से शुरू होंगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि : संस्कृत विभाग के मेधावी सम्मानित

लखनऊ। लखनऊ विवि के संस्कृत तथा प्राकृत भाषा विभाग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत दो दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें वैदिक वाङ्मय में उद्योग तथा कौशल विकास विषय के अंतर्गत वेदांग साहित्य पर आधारित चर्चा की गई। महिला पीजी कॉलेज की संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. ऋतु सिंह ने भी वैदिक वाङ्मय में उद्योग व कौशल विकास की संभावनाओं पर विचार रखे। मुख्य अतिथि प्रो. झा ने भी विचार रखे। कार्यक्रम मे संस्कृत में नेट तथा जेआरएफ उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों पूजा यादव, चंदन, मांडवी, गजाला, मारुति, मुनीष आदि को सम्मानित भी किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

वर्चुअल लैब का करें इस्तेमाल

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केंद्र में 'एनईपी 2020: विजन टू एक्शन' पर आयोजित कार्यशाला में प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) विश्वविद्यालय प्रयागराज के कुलपति प्रो. अखिलेश कुमार सिंह ने मिश्रित शिक्षा के उदाहरणों और विशेषताओं का इस्तेमाल का उल्लेख किया। इनमें वर्चुअल प्रयोगशालाएं शामिल हैं, जो पूर्व निर्मित आउटसोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करती हैं। वहीं पोस्ट प्रोडक्शन में ग्राफिक्स का उपयोग, वीडियो को दिलचस्प बनाने के लिए एनिमेटेड और भौतिक वर्ण आदि महत्वपूर्ण हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

लखनऊ विश्वविद्यालय के तिलक महिला छात्रावास में आयोजित होलिकोत्सव रंग-तरंग कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्राओं संग ली सेल्फी

लखनऊ विश्वविद्यालय के तिलक महिला छात्रावास में रविवार शाम आयोजित होलिकोत्सव रंग-तरंग में प्रस्तुति देतीं छात्राएं • सौजन्य : लवि

लखनऊ विश्वविद्यालय के डा. बीआर आंबेडकर छात्रावास में होली खेलती छात्राएं • सौ: लवि

THE PIONEER PAGE 3

Girl students playing with colours during 'Rangotsav' at Dr BR Ambedkar Girls Hall of Lucknow University Pioneer

Advanced techniques in molecular genetics discussed at workshop

Lucknow (PNS): A 3-day hands-on workshop on 'Advanced techniques in molecular genetics' organised by Institute of Advanced Molecular Genetics and Infectious Diseases (IAMGID), ONGC Centre of Advanced Studies in collaboration with Molecular and Human Genetics Laboratory (MHG), department of Zoology, was held at Lucknow University.

Participants from BHU, DRDO, KGMU, BBAU, ERA, Integral and IGNTU Amarkantak universities took part in the interdisciplinary workshop.

Director, IAMGID, Prof Monisha Banerjee and her research team gave hands-on experience of real-time PCR, HPV testing, genetic analysis, cellular assays, and anti-cancer drug testing. The participants saw the effect of drug treatment on cancer cell lines by using cell imaging techniques.

Meanwhile, Lavanya Hall celebrated its fresher's party on March 12. Lavanya Hall is the campus home for girls pursuing BTech, MCA, BCA and B Pharma on the second campus. For the BPharma girls, it was a special occasion as they are the first ever batch of the Institute of Pharmaceutical Sciences envisioned and started by LU Vice-Chancellor Prof AK Rai. The event was planned and executed by senior inmates of the hostel and included several cultural performances.

LU VC's wife Sangeeta Rai, who was the chief guest on the occasion, appreciated the talent showcased by the girls.

Meanwhile, Holi celebration 'Rangotsav' was jointly organised by Dr BR Ambedkar Girls Hall and Lavanya Hall. Provost of Dr BR Ambedkar Girls Hall Archana Singh joined in hosting the event.

TRUE TIMES PAGE 2

लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित 'एनईपी 2020 विजन टू एक्शन' पर सात दिवसीय कार्यशाला के छठे दिन प्रथम सत्र का संचालन एवं समन्वयक द्वारा किया जा रहा है

टू टाइम्स संवाददाता

इस कार्यक्रम में प्रो. कीया पांडे, कार्यशाला समन्वयक, और प्रमुख, मानव विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, और प्रो कमल कुमार, निदेशक, एचआरडीसी, लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो अखिलेश कुमार सिंह, कुलपति, प्रो राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया)) विश्वविद्यालय, प्रयागराज ने प्रतिभागियों और शोध संकाय को इस विषय पर सूचित किया: 'मिश्रित शिक्षा' और एनईपी 2020 में इसके प्रावधान।

विद्वान व्याख्याता ने अपने व्याख्यान की शुरुआत स्किनर की संचालनात्मक कंडीशनिंग और उचित सीखने के लिए पाँच सिद्धांतों को समझाते हुए की, यानी सक्रिय प्रतिक्रिया, छोटे प्राप्त करने योग्य लक्ष्य निर्धारित करना, छात्रों को अपनी गति से सीखने के लिए जगह बनाना, आत्म-मूल्यांकन और मूल्यांकन, और सुदृढीकरण। उन्होंने एनईपी 2020 में ब्लेंडेड लर्निंग और ऑनलाइन टीचिंग को दिए गए महत्व को परिभाषित किया। प्रो। सिंह के अनुसार ब्लेंडेड लर्निंग 'रियल और वर्चुअल का मिश्रण' है, जो आमने-सामने और ऑनलाइन सीखने का विचारशील एकीकरण है। वास्तविक समय में एक कोर्स। उन्होंने शिक्षकों से प्री-क्लासरूम, क्लासरूम, पोस्ट-क्लासरूम एक्टिविटीज के साथ-साथ 83:17 (इनपुटः आउटपुट) नियम, सेल्फ-लाइब्रेरी, ओपन-सोर्स साइट्स का उपयोग करके अपने शिक्षण समय को कम से कम 55 घंटे तक बढ़ाने का आग्रह किया। और दैनिक जीवन से स्थानीय उदाहरणों का उपयोग। इससे शिक्षण में लचीलापन आएगा।

प्रो. सिंह ने अपने व्याख्यान में मिश्रित शिक्षा के कई उदाहरणों और विशेषताओं का इस्तेमाल किया। इनमें वर्चुअल प्रयोगशालाएं शामिल हैं जो पूर्व-निर्मित आउटसोर्स सॉफ्टवेयर का उपयोग करती हैं, पोस्ट-प्रोडक्शन में ग्राफिक्स का उपयोग, वीडियो को दिलचस्प बनाने के लिए एनिमेटेड और भौतिक वर्ण, कई सीखने के स्रोतों का संयोजन, क्वेरी केंद्रित व्हाट्सएप समूह, उच्च अंत प्रस्तुतियों में वर्चुअल स्टूडियो, पिछड़ा खोज इंजन अनुकूलन (एसईओ) के लिए ब्राउज़र, ऑपरेटिंग सिस्टम और डिवाइस संगतता सुनिश्चित करने के लिए व्याख्यान की डिजाइनिंग, कीवर्ड का उपयोग, वेबसाइट की गति, सामग्री प्रासंगिकता, बाउंस दर, वेबसाइट संरचना और साइट मानचित्र पर ध्यान केंद्रित करना।

व्याख्यान में ऑनलाइन शिक्षण सामग्री बनाने के लिए ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर, ओबीएस स्टूडियो का लाइव, प्रतिभागी-समावेशी प्रदर्शन भी शामिल था।

प्रो. सिंह ने व्याख्यान को समाप्त करते हुए प्रतिभागियों को निम्नलिखित शब्दों के साथ छोड़ दिया, 'अधिकतम, न केवल अधिकतम करने के लिए, बल्कि एक सार्थक तरीके से', और 'प्रेरित हो', क्योंकि एक प्रेरित शिक्षक भी बहुत कुछ ला सकता है- शिक्षा व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है।

दूसरे सत्र में, अतिथि व्याख्याता और पूर्व हॉकी खिलाड़ी सुजीत कुमार श्रीवास्तव ने प्रतिभागियों और अनुसंधान संकाय को 'युवा सशक्तिकरण और खेल विकास' और एनईपी 2020 में प्रतिनिधित्व किए गए इसके आदर्शों से अवगत कराया।

अनुभवी व्याख्याता ने शिक्षा के आज के व्यापार मॉडल की खेदजनक स्थिति बताते हुए प्रत्येक स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थान में खेल की आवश्यकता और महत्व को समझाया, ताकि छात्रों की अपार ऊर्जा को प्रभावी तरीके से प्रसारित किया जा सके, उनके नीरस स्वभाव को दूर किया जा सके। जीवन, शिक्षकों और बच्चों के बीच अधिक संबंध और पारस्परिक संबंध उत्पन्न करते हैं, और एक बच्चे के समग्र विकास के लिए सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं। इसके लिए उचित, सहायक और समझदार कोचों की आवश्यकता होती है जो इस बदलाव को ला सकते हैं, बेहतर खेल सहायक बुनियादी ढांचे जैसे अत्यधिक सुसज्जित खेल के मैदान और मैदान, सिंथेटिक ट्रैक, उचित जूते, और बाहरी गतिविधियों, नींद और पोषण पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करना। इसके अलावा, सुजीत ने केजरीवाल के शिक्षा मॉडल की प्रशंसा की और बेहतर बुनियादी ढांचे के लिए बड़े शहरों या शहरी केंद्रों में प्रवास करने की आवश्यकता पर सवाल उठाया। इस प्रकार, वह क्षेत्रीय और अंतरराज्यीय असमानताओं के जवाब के रूप में स्थानीय विकास का आह्वान करते हैं। उन्होंने बच्चे के निर्णयों और हितों का सम्मान करने की आवश्यकता को बढ़ावा दिया।

इसके बाद सुजीत ने 'जो दिखता है वो बिकता है' और देश में खिलाड़ियों की कम संख्या कहकर क्रिकेट केंद्रित मीडिया पर निशाना साधा। लेक्चरर के अनुसार, बाद में, बच्चों को युवा होने पर खेल के लिए उजागर करके, और बच्चों को 'आत्म-अनुभव' के लिए प्रोत्साहित करने के लिए उचित सुविधाएं प्रदान करके, माता-पिता को बाद के सामाजिक और मानसिक के लिए सूचनात्मक ट्यूटोरियल प्रदान करके निपटाया जा सकता है। इस क्षेत्र की ओर परिवर्तन। 24 प्रतिभागियों की तालियों के बीच व्याख्याता ने सत्र का समापन किया।

TOI PAGE 5

Riot of colours as Holi back in LU, like pre-Covid days

FAGUN FEVER LU girls playing Holi with gulaal and abeer

Times News Network

Lucknow: Lucknow University girl students celebrated Holi as 'Fagun Fever' at their respective hostels on Sunday.

Students along with hostel provosts and teachers performed a dance on Bollywood numbers before playing with 'gulaal' and 'abeer' on the campus.

A number of activities, including rangoli making, singing and dance competitions were also held on the occasion. Elated to celebrate Holi on the campus just before leaving for home, students shared that due to Covid-19 they missed the Holi celebrations that were held in hostels before the pandemic.

"We feel fortunate that Covid cases have gone down and we could celebrate the festival on the university campus," said Anupama Sachan, a Tilak hall resident.

Another student Anita Bhist said, "Such celebrations strengthen bonds with the University and make us one family."

Tilak hall Provost Prof Bhuvneshwari Bhardwaj said, "A number of students are not able to go home as examinations are scheduled after Holi hence we decided to celebrate it here."

AMRIT VICHAR PAGE 3

लविवि के हॉस्टल में चढ़ा होली का रंग

लखनऊ। होली से पहले लखनऊ विश्वविद्यालय के हॉस्टल में अबीर गुलाल से छात्राओं ने होली खेली। डॉ. बीआर अंबेडकर ला गर्ल्स हॉस्टल में छात्राओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। समारोह में सीनियर्स एवं जूनियर्स के बीच एक खुशनुमा माहौल बनाने के लिए सभी एकत्रित हुए जिसमें ऑनर्स और थ्री ईयर्स की सभी की छात्राएं थीं। कोरोना के कारण दो साल बाद होली के इस समारोह से सभी छात्राएं बहुत उत्साहित थीं। कार्यक्रम में सभी छात्राओं ने खूब धूम मचाई। छात्राओं का कहना था कि इस तरह के कार्यक्रम आपसी सौहार्द एवं सांस्कृतिक आत्मीयता को बढ़ावा देते हैं।

HINDUSTAN PAGE 6

लखनऊ विश्वविद्यालय के रंग तरंग कार्यक्रम में छात्राओं ने दी प्रस्तुति।

PIONEER PAGE 3

लखनऊ विश्वविद्यालय के न्यू कैम्पस के बीआर अंबेडकर छात्रावास मे होली खेलती छात्राएं

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के तिलक हाल में विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा आयोजित होलिकोत्सव समारोह 'रंग-तरंग' में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों द्वारा होली मनाने के पीछे सांस्कृतिक सौहार्द का संदेश दिया गया। इस दौरान तिलक महिला छात्रावास के होली उत्सव रंग-तरंग में अंतेवासिनी छात्राओं द्वारा गीत, संगीत तथा नृत्य आदि की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों नें वातावरण को हर्षोल्लासमय बना दिया। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अन्य शिक्षकों ने कार्यक्रम की तारीफ की। कार्यक्रम में तिलक हाल के कर्मचारियों को उपहार देकर उनको विश्वविद्यालय के प्रति योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, शैक्षणिक प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी तथा छात्राएँ सम्मिलित हुए।